व्यवसाय योजना

सिलाई व कटाई

लेडीज सूट (लाइनिंग और बिना लाइनिंग) जेंट्स नाईट सूट व बच्चों के ड्रेसज

जोगनी माता समान रूची समूह खोखन-II

ग्राम वन विकास समिति -	खोखन-II
ग्राम पंचायत -	जोगनी माता
वन परिक्षेत्र -	भुन्तर
वनमण्डल -	पार्वती
वनवृत -	कुल्लू

हिमाचल प्रदेश वन परितन्त्र प्रबंधन एव आजीविका सुधार परियोजना

अनुक्रमणिका

क्र0सं0	विवरण	पृष्ठ संख्या
1	**कार्यकारिणी सारांश**	3-5
2	स्वयं सहायता समूह का विवरण	5
3.	ग्राम की भौगोलिक स्थिति	6-8
4.	आय सृजन गतिविधि से सम्बंधित उत्पाद का विवरण	8
5.	उत्पादन की प्रक्रिया	8
6	उत्पादन हेतु नियोजन	8-9
7	विपणन	9
8	समूह सदस्यों के मध्य उघम का प्रबंधन	10
9	संभावित जोखिम व उनको कम करने के उपाय	10
10	उघम हेतु अनुमानित लागत	10-12
	अ. पूंजीगत व्यय	
	ब. आवर्ती व्यय (एक चक्र के लिए)	
	स. उत्पादन की लागत (एक चक्र के लिए)	
	द. विक्रय मुल्य की गणना / आंकलन	
11	उघम हेतु लागत - लाभ विश्लेषण: (एक चक्र के लिए)	12-13
12	समूह की वित्तीय आवश्यकता	13
13	समूह की वित्तीय संसाधन	13
14	सम विच्छेदन बिंदु (ब्रेक इविन प्वाइंट) की गणना	13
15	ऋण वापसी का किश्तवार नियोजन	14
16	**टिप्पणी /गणना**	15
17	स्वयं सहायता समूह के नियमों की सूचि	16
18	सहमति पत्र व मण्डल प्रबन्धन इकाई की स्वकृति	17
19	स्वयं सहायता समूह के प्रत्येक सदस्य के फोटोग्राफ	18

1. कार्यकारिणी सारांश / परिचय

हिमाचल प्रदेश के पश्चिम हिमालय में स्तिथ है । यह राज्य कुदरती सुंदरता और समद्वि सांस्कृतिक व धार्मिक धरोहर से भरपूर है । राज्य में विविध पारितंत्र, नदियों, घाटियों पाई जाती है । इसकी आबादी 70 लाख के करीब है। इसका भौगोलिक क्षेत्र 55673 वर्ग कि० मी० है । हिमाचल प्रदेश में शिवालिक पहाडियों से लेकर मध्य हिमालय का क्षेत्र के ऊँचाई व और ठंडे जोन का क्षेत्र पाया जाता है । राज्य के लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि है । हिमाचल प्रदेश के 12 जिलों में से 6 जिले में हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबन्धन और आजीविका सुधार परियोजना जाईका (JICA) के सहयोग से चलाई जा रही है । जिसमे कुल्लू जिला भी शामिल है।

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका सुधार परियोजना जाईका (JICA) प्रारंभ होने पर वन विकास समिति खोखन-II की सूक्षम योजना बनाई गयी है । वन विकास समिति के लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि व बागवानी है परन्तु प्रत्येक परिवार की औसत भूमि बहुत कम है । अन्य संसाधन ना होने के कारण उनके आय में अपेक्षित बढोतरी नहीं हो पा रही है । यहाँ के लोग मुख्यता गेहूं, मक्की, जौ व दालों की खेती करने के साथ सब्जी उत्पादन तथा सेब, प्लम, खुमानी इत्यादि बागवानी फसले उगाते हैं । परन्तु अतिरिक्त संसाधन के लिए स्वयं सहायता समूह जोगनी माता ने सिलाई व कटाई इत्यादि का कार्य करके अपनी आजीविका बढाने का निर्णय लिया है । स्वयं सहायता समूह का 12 -08-2020 को गठन किया गया है। इस समूह में कुल 15 महिलाएँ सदस्य है। इस स्वयं सहायता समूह को समान रुची समूह में जोगनी माता में परिवर्तित किया है । इस समान रुची समूह ने विस्तार से चर्चा करने पर सिलाई व कटाई बनाने व विपणन करने का निर्णय किया है।

परियोजना की सहायता से प्रारम्भ में लेडीज सूट बिना लाइनिंग, लेडीज सूट लाइनिंग, जेंट्स नाईट सूट, बच्चों के ड्रेसज को सिलने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। परियोजना द्वारा पूंजीगत व्यय का 50% अंशदान (सामान्य श्रेणी का) वहन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त 1,00,000/- रेवोल्विंग फण्ड दिया जाएगा ताकि बैंक में ऋण लेने में सुविधा हो सके । समूह ने तय किया है कि सभी सदस्य नियम व शर्तों के हिसाब से कार्यों का आपसी वंटवारा करेगे तथा समान रूप से कार्य के अनुसार लाभांश का वंटवारा करेंगे।

जोगनी माता समान रुची समूह की व्यवसाय योजना बनाने के लिए श्री पदम् सिंह चौहान (Retd HPFS), श्रीमती बबिता ठाकुर और श्री सोम देव (वन रक्षक) ने बार बार समूह के सदस्यों से बैठक करके इस व्यवसाय योजना को तैयार किया है । व्यवसाय योजना के अनुसार समूह प्रतिमाह 300 लेडीज सूट बिना लाइनिंग, 180 लेडीज सूट लाइनिंग, 180 जेंट्स नाईट सूट व 120 बच्चों के ड्रेसज तैयार करेंगे। समूह वर्षभार 4 से 5 घंटे का समय निकाल कर उपरोक्त उत्पादों का उत्पादन करेगा । समूह में सम्मिलित सदस्यों का ब्यौरा निम्न प्रकार से है :

क्रमांक	लाभार्थी का नाम व पता	पद	गांव	आयु	लिंग	योग्यता	श्रेणी	सम्पर्क
1	श्रीमती महेश्वरी पत्नी श्री टिकम राम	प्रधान	खोखन-II	39	स्त्री	7वीं	सामान्य	8629842803
2	श्रीमती मधुवाला पत्नी श्री सन्दीप कुमार	सचिव	खोखन-II	29	स्त्री	10वीं	सामान्य	8219835426
3	श्रीमती चेतना ठाकुर पत्नी श्री वेद प्रकाश	कोषाध्यक्ष	खोखन-II	28	स्त्री	10वीं	सामान्य	8628025927
4	श्रीमती निर्मला देवी पत्नी श्री धनी राम	सदस्य	खोखन-II	31	स्त्री	5वीं	सामान्य	7876475891
5	श्रीमती मीरा देवी पत्नी श्री रूप चंद	सदस्य	खोखन-II	46	स्त्री	5वीं	सामान्य	9805002407
6	श्रीमती तारा देवी पत्नी स्व श्री टेक चंद	सदस्य	खोखन-II	44	स्त्री	10वीं	सामान्य	9805362653
7	श्रीमती ज्ञानी देवी पत्नी श्री देवी चंद	सदस्य	खोखन-II	45	स्त्री	2वीं	सामान्य	9857775368
8	श्रीमती पुष्प लता पत्नी श्री हरी सिंह	सदस्य	खोखन-II	41	स्त्री	8वीं	सामान्य	6230024012
9	श्रीमती निर्मला देवी पत्नी श्री पना लाल	सदस्य	खोखन-II	49	स्त्री	5वीं	सामान्य	9805031364
10	श्रीमती वीना कुमारी पत्नी श्री राम चंद	सदस्य	खोखन-II	24	स्त्री	+2	सामान्य	8580970424
11	श्रीमती शांता देवी पत्नी श्री कुवेर शिंह	सदस्य	खोखन-II	35	स्त्री	10वीं	सामान्य	8894123714
12	कुमारी यमुना पुत्री श्री सुंदर लाल	सदस्य	खोखन-II	23	स्त्री	B.A	सामान्य	9318033361
13	कुमारी सोनिया पुत्री श्री रूप लाल	सदस्य	खोखन-II	26	स्त्री	B.A	सामान्य	7018506165
14	श्रीमती कृष्णा देवी पत्नी श्री श्रवण कुमार	सदस्य	खोखन-II	41	स्त्री	8वीं	सामान्य	8894584495
15	कुमारी आकृति पुत्री स्व श्री प्रीतम चंद	सदस्य	खोखन-II	23	स्त्री	B.sc	सामान्य	9015000496

<u>सारांश श्रेणी वार</u>

क्रमांक	सामान्य	अनुसूचित	अनुसूचित जनजाति	वी० पी० एल०
1	15	-	-	-

जोगनी माता समूह के सदस्य

2 स्वयं सहायता समूह का विवरण

2.1	स्वयं सहायता समूह का नाम	जोगनी माता
2.2	स्वयं सहायता समूह का एम. आई. एस. कोड	–
2.3	ग्रामीण वन विकास समिति	खोखन-II
2.4	वन परिक्षेत्र	भुंतर
2.5	वन मण्डल	शमशी
2.6	गांव	खोखन-II
2.7	विकास खण्ड	भुईन
2.8	जिला	कुल्लू
2.9	समूह के कुल सदस्यों की संख्या	15
2.10	समूह के गठन की तिथि	12-08-2020
2.11	स्वयं सहायता समूह/समान रूचि समूह की मासिक बचत	100/–
2.12	बैंक का नाम और शाखा जंहा समूह का खाता संचालित	काँगड़ा बैंक भुन्तर
2.13	बैंक खाता संख्या	50072178034
2.14	समूह की कुल बचत	6500/–
2.15	समूह द्वारा सदस्यों को दिया गया ऋण	–
2.16	कैश क्रैडिट सीमा समूह सदस्यों द्वारा वापस किया गया ऋण की स्थिति	—

3. गांव की भौगोलिक स्थिति

3.1	जिला मुख्यालय से दूरी	14 कि0मी0
3.2	मुख्य सड़क से दूरी	4 कि0मी0
3.3	स्थानीय बाजार का नाम और दूरी	भुंतर 16 कि0मी0
3.4	मुख्य बाजार से दूरी और नाम	भुंतर 16 कि0मी0
3.5	अन्य प्रमुख शहरों और कसबों से दूरी	कुल्लू 14 कि0मी0
3.6	बाजार/बाजारों से दूरी जहां पर उत्पादन की बिक्री की जायेगी	4 कि0मी0
3.7	ग्राम के सम्बन्ध में अन्य कोई विशिष्ठता जो समूह द्वारा चयनित आय सृजन गतिविधि से सम्बन्धित हो	

(क) व्यवसाय योजना की आवश्यता क्यों ?

वन विकास समिति खोखन-II में महिलायों का पहले से गठित कोई भी समूह नहीं है इसीलिए परियोजना ने एक स्वयं सहायता समूह का गठन किया है । जिसमे समूह की सभी महिलाएं सिलाई कटाई का कार्य करके अपनी आजीविका को बढाना चाहती है । समूह की कुछ महिलाये पहले से सिलाई कटाई का कार्य करती है परन्तु अच्छी तरह प्रशिक्षित नहीं है केवल अपने घर के लिए छोटी मोटी सिलाई करती है । इसके इलावा कुछ महिलायों के पास न ही सिलाई मशीन है और न ही प्रशिक्षित है । इन कारणों से अपनी आजीविका को नहीं बढा पा रही है इसीलिए महिलायों ने समूह के माध्यम से JICA परियोजना से सिलाई कटाई की मशीनों तथा उचित प्रशिक्षण की मांग की है।

(ख) व्यवसाय योजना के उदेश्य :

- समूह की सभी सदस्यों की क्षमता का निर्माण करना।
- समूह के लिए निरंतर आय के साधन उपलब्ध कराना।
- उत्पाद को उचित बाज़ार से जोड़ना।
- सभी सदस्यों को समूह में काम करने के लिए प्रेरित करना।
- सिलाई कटाई व्यवस्या की नवीनतम एवं आधुनिक तकनीकों को बढावा देना।
- आजीविका की बढोतरी।

(ग) व्यवसाय योजना में निम्न कार्य शामिल हैं :

- सिलाई - कटाई (महिलायों के सूट, बच्चों के ड्रेसज, पुरुषों के नाईट सूट इत्यादि शामिल है।)

(घ) व्यवसाय योजना के कार्यों का विवरण :

(1) **<u>सामुदायिक गतिशीलता :</u>** इसके अंतर्गत ग्रामीणों में जागरूकता एवं सामुदायिक गतिशीलन के उपरान्त आजीविका वर्धन के विकल्प का चयन तथा उसके लिए लाभार्थीयों की छंटनी की गयी है।

(2) <u>समूह का निर्माण :</u> स्वयं सहायता समूह के सदस्यों को एकत्रित कर समूह का गठन किया गया है तथा समूह का अध्यक्ष, सचिव व् कोषाध्यक्ष का सर्वसहमति से चुनाव किया गया है | समूह की सदस्यों की सहमती से समूह के लिए नियम एवं शर्ते निर्धारित करके उन्हें लागू करने का प्रावधान किया गया है|

(3) <u>क्षमता का निर्माण :</u> लाभार्थियों की क्षमता निर्माण हेतु उनका उचित प्रशिक्षण करवाया जाना आवश्यक है |

(4) <u>सिलाई मशीन इत्यादि का वितरण :</u> समूह के सभी सदस्यों को अच्छी किस्म मशीने उपलब्ध करवाई जाए ताकि अच्छे ढग से कार्य कर सके |

(5) <u>बाज़ार से जोड़ना :</u> अपने उत्पाद को बेचने के लिए समूह किसी सरकारी व् निजि सोसाइटी से उचित शर्तो के साथ संबध स्थापित करने लिए तैयार है | जैसे की सथानीय पाठशाला के बच्चों के ड्रेसज, लोकल मार्किट के दर्जियों के साथ व्यवसाय में जुड़ेगी | भुन्तर बाज़ार, शमशी के क्षेत्र के दर्जियों के साथ जुड़ कर कार्य करेगी |

(6) <u>वितीय संस्थानों एवं संबधित विभागों से जोड़ना :</u> व्यवसाय को आगे बढाने के लिए समूह को वितीय संस्थानों से जोड़ने का पर्यास किया जाएगा तथा उन्हें विभिन्न बैंकों द्वारा दी जा रही ऋण सुविधाओं से अवगत करवाया जाएगा तथा परियोजना द्वारा बैंकों से जोड़ा जाएगा |

<u>(7) बाज़ार की जानकारी :</u> भुन्तर बाज़ार, शमशी, व मोहल के क्षेत्र के दर्जियों के साथ जुड़ कर कार्य करेगी|

(8) <u>निगरानी का तरीका :</u> व्यवसाय योजना शुरू होने से पहले लाभार्थियों का आधार रेखा सर्वेक्षण किया जाएगा | इसके हर छे महीने के बाद आर्थिक सर्वेक्षण किया जाएगा ! इसके मापदंड निम्नलिखित होंगे|

(i) उत्पादन में बढोतरी (बाद में)
(ii) बेचे गए उत्पाद में बढोतरी (बाद में)
(iii) समूह में बढोतरी (बाद में)
(iv) आय में बढोतरी (बाद में)

(9) <u>अपेक्षित सहायता एवं संसाधन :</u>

(i) वित्तीय प्रबंधन : (पूंजीगत व्यय का 50% परियोजना द्वारा सहायता दी जाएगी, शेष 50% सदस्य द्वारा वहन किया जाएगा, इसके अतिरिक्त आवर्ती व्यय का 6500 समूह की बचत से तथा 25300 बैंक से ऋण लिया जाएगा |)

(ii) मानव : 15 सदस्य

(iii) तकनीकी : तकनीकी सहायता गाँव में ही मास्टर ट्रेनर लगाकर परियोजना द्वारा उचित प्रशिक्षण का प्रावधान परियोजना द्वारा दिया जाएगा।

(10) <u>अनुमानित लाभ:</u>

- महिलायों के लिए घरेलू रोज़गार उपलब्ध होगा।
- समूह के सभी सदस्यों के लिए आजीविका वर्धन का दीर्घ कालीन एवं निरंतर साधन उपलब्ध होगा।
- समूह की महिलाएं इस कार्य को खाली एवं अतिरिक्त समय में कर सकती है तथा अपनी आय में प्रति सदस्य लगभग 10713 रु प्रतिमाह तक बढोतरी कर सकती है।

4. आय सृजन गतिविधि से सम्बन्धित उत्पाद का विवरण

4.1	उत्पाद का नाम	बच्चों के ड्रेसज + जेंट्स नाईट शूट + सूट लाइनिंग + सूट बिना लाइनिंग
4.2	उत्पाद की पहचान की पद्वति	समूह विचार- विमर्श
4.3	स्वय सहायता समूह/समान रूचि समूह के सदस्यों की सहमति	हाँ (सहमति पत्र पृष्ठ परसलंग्न है।)

5. उत्पादन की प्रक्रिया का विवरण

सर्वप्रथम स्वयं सहायता समूह के सदस्यों को परियोजना द्वारा लेडीज सूट लाइनिंग, बिना लाइनिंग, किड्स ड्रेसज और जेंट्स नाईट सूट की सिलाई का प्रशिक्षण दिया जाएगा । जोगनी माता समूह के 15 सदस्यों इस कार्य करेगें। प्रशिक्षण के उपरान्त समूह इस कार्य को करेंगे।

1. <u>लेडीज सूट लाइनिंग</u>: - समूह के 6 सदस्य लेडीज सूट लाइनिंग की सिलाई का कार्य करेंगे । प्रत्येक सदस्य 4 से 5 घंटे प्रतिदिन कार्य करने पर 1 दिन में 1 सूट तैयार करेंगे।

2. <u>लेडीज सूट बिना लाइनिंग</u>: - समूह के 5 सदस्य लेडीज सूट बिना लाइनिंग की सिलाई का कार्य करेंगे । प्रत्येक सदस्य 4 से 5 घंटे प्रतिदिन कार्य करने पर 1 दिन में 2 सूट तैयार करेंगे।

3. <u>जेंट्स नाईट सूट</u>: - समूह के 2 सदस्य जेंट्स नाईट सूट की सिलाई का कार्य करेगी । सदस्य 4 से 5 घंटे प्रतिदिन कार्य करने पर 1 दिन में **3** सूट तैयार करेगी।

4. <u>बच्चों के ड्रेसज</u>: - समूह के 2 सदस्य बच्चों के ड्रेसज की सिलाई का कार्य करेगी । सदस्य 4 से 5 घंटे प्रतिदिन कार्य करने पर 1 दिन में 2 ड्रेसज तैयार करेगी।

6. उत्पादन हेतु नियोजन

6.1 प्रति माह कार्य दिवस : 30 दिवस

6.2 प्रति माह काम करने वाले व्यक्ति : 15 व्यक्ति

6.3 कच्चे माल का स्रोत : कुल्लू, भुंतर

6.4 अन्य संसाधनों का स्रोत : कुल्लू, भुंतर

क्रमाक	माह	वस्तु का नाम	इकाई	मात्रा	मजदूरी	औसत अन्य खर्चे	कुल धन राशी	प्रति नग लागत	उपेक्षित उत्पादन की मात्रा
1.		लेडीज सूट लाइनिंग	नंबर	180	30847	7338	38195	212.19	180
		लेडीज सूट बिना लाइनिंग	नंबर	300	25705	12232	37947	126.49	300
		जेंट्स नाईट सूट	नंबर	180	10274	7338	17623	97.90	180
		बच्चों के परिधान	नंबर	120	10274	4892	15177	126.48	120
		योग		780	**77100**	**31800**	**108942**	-	-

नोट: स्वयं सहायता समूह के प्रशिक्षण का खर्च परियोजना द्वारा वहन किया जाता है | तथा इस व्यवसाय योजना में शामिल नहीं है |

7. विपणन/बिक्री का विवरण

7.1	सम्भावित बाजारों/स्थलों के नाम	भुंतर, मोहल और शमशी	
7.2	उत्पाद की बिक्री हेतू गांव से दूरी	4 कि0मी0
7.3	बजार में उत्पाद की अनुमानित मांग	लेडी शूट, जेंट्स नाईट सूट, स्कूल ड्रेसिज, बच्चों की ड्रेसिज	
7.4	बजार को चिन्हित करने की प्रक्रिया	लोकल बाज़ार को चिन्हित किया गया है जैसे की स्कूल, भुंतर, मोहल और शमशी	
7.5	मौसम मे परिवर्तन के अनुसार उत्पाद की मांग की स्थिति	सर्दी के दौरान वूलेन सूट और गर्मी के मौसम के दौरान कॉटन सूट सिलेगें	
7.6	उत्पाद के संभावित खरीदार	स्थानीय निवासी
7.7	क्षेत्र में संभावित उपभोक्ता	स्कूल के बच्चे, गाँव व शहरों की महिलाऐं / पुरुष
7.8	उत्पाद का विपणन तंत्र	सीधा सम्पर्क दर्जिओं से और गाँव की महिलाऐं और पुरषों के सूट सिलेगें	
7.9	उत्पाद के विपणन हेतु रणनीति	(1) प्रारम्भ में लेडी शूट, जेंट्स नाईट सूट, स्कूल ड्रेसिज, बच्चों की ड्रेसिज सिलेगें	बाद में पिलो, कुशन, रजाई कवर इत्यादि सिलेगें | (2) समूह कार्य की निपुणता के आधार पर सदस्यों का चयन करेगा जैसे कि कटिंग, तुरपाई, काज, बटन लगाना, इस्त्री करना इत्यादि	

8. समूह सदस्यों के मध्य उद्यम का प्रबन्धन :

समूह के सदस्य आपसी सहमति से कार्यो का बटवारा करेंगे तथा किये गये कार्य के अनुपात में प्राप्त आय का वितरण करेंगे | स्वयं सहयता समूह के सभी सदस्यों सिलाई करेंगे | कार्य का बटवारा एवं प्रत्येक सदस्य की भूमिका सदस्य की आर्थिक शारीरिक एवं मानसिक क्षमता के आधार पर की जायेगी | यही सदस्य वितय लेन देन का हिसाब रखेंगे |

9. शक्ति, दुर्बलता, अवसर, जोखिम का विश्लेषण (SWOT Analysis)

शक्ति: -

1. सभी समूह सदस्य सामान व् अनुकूल सोच रखते है ।
2. समूह के एक सदस्य छोटे पैमाने पर सिलाई का कार्य करेंगे |

दुर्बलता: -

1. नया स्वयं सहायता समूह है |
2. समूह में कार्य करने का अनुभव नहीं है |

अवसर: -

1. समूह में कार्य करने पर बड़े पैमाने पर उत्पादन किया जा सकता है |
2. स्थानीय बाज़ारों में सूट सिलाई इत्यादि की पर्यटन क्षेत्र होने के कारण मांग अधिक है |
3. परियोजना द्वारा सिलाई मशीन व अन्य सामान इत्यादि खरीदने के लिए अनुसूचित जाति / जनजाति तथा गरीब सामान्य श्रेणी की महिलाओं को 75% तथा सामान्य श्रेणी महिला को 50% अनदान दिया जाएगा |
4. परियोजना द्वारा सिलाई का प्रशिक्षण विशेषज्ञ **द्वारा** मौके पर / प्रशिक्षण संस्थानों में करवाया जाएगा |

जोखिम

1. समूह में आन्तरिक झगडे होने पर समूह का कार्य प्रभावित हो सकता है |
2. मांग व पारदर्शिता के अभाव में समूह टूटने की सम्भावना हो सकती है |

10. उघम हेतु अनुमानित लागत एवं उत्पाद के विक्रय मूल्य की गणना / आकलन:

अ. पूंजीगत व्यय (सामान्य श्रेणी)

क्रमाक	गतिविधि	मात्रा	मुल्य	कुल व्यय	परियोजना अंश (50%)	लाभार्थी अंश (50%)
1	सिलाई मशीन पेडल के साथ	2	7000	14000		
2	स्टील स्टैंड	2	2000	4000		
3	L स्केल	2	200	400		

4	प्रेस	1	1200	1200		
	स्टेपलर बड़ा छोटे	2 2	150 50	300 100		
	योग			20000	10000	10000

(ब) आवर्ती व्यय (एक चक्र के लिए) एक महीना लिया गया है

क्रमाक	**विवरण**	**इकाई**	**मात्रा**	**दर (रु०)**	**धन राशी (रु०)**
1.	किराया	महीना	1	1000	1000
2	मजदूरी	महीना	257 दिन	300	77100
3	परिवहन	महीना	1	1000	1000
4	पैकिंग (लिफाफे, बेग, अखबार)	नंबर	1	2000	2000
5	सिलाई धागा, वटन, जिप, हुक, इत्यादि	नंबर	780 सूट / ड्रेसज के लिए	10	7800
6	सूट लाइनिंग मूल्य	नंबर	180	100	18000
7	अन्य खर्चे (स्टेशनरी, बिजली, पानी इत्यादि	महीना	1	2000	2000
	योग				108900

- प्रत्येक दिन एक महिला 4/5 घंटे कार्य करेगी |

(स)- **उत्पादन की लागत (एक चक्र के लिए)**

क्र0स0	**विवरण**	**धनराशि (रू0)**
1	कुल आवर्ती व्यय	108900
2	पूंजीगत व्यय पर 10% वार्षिक मूल्य ह्रास	167
3	ऋण पर 7%वार्षिक दर पर ओसत व्याज	869
	योग	**109936**

(द) **विक्रय मूल्य की गणना / आंकलन (प्रतिचक्र):**

लाइनिंग और बिना लाइनिंग सूट, जेंट्स नाईट सूट, बच्चों के परिधान

क्र0स0	**विवरण**	इकाई	मात्रा	दर	धनराशी
1.	**उत्पादन की लागत**				
	लेडीज सूट लाइनिंग	नंबर	180	212.19	38195
	लेडीज सूट बिना लाइनिंग	नंबर	300	126.49	37947
	जेंट्स नाईट सूट	नंबर	180	97.90	17623
	बच्चों के परिधान	नंबर	120	126.48	15177

	कुल लागत		780 नग		**108942**
2	**निर्धारित लाभ (प्रतिशत में)**				
	लेडीज सूट लाइनिंग	112.07%	180	237.81	42805.8
	लेडीज सूट बिना लाइनिंग	58.11%	300	73.51	22053
	जेंट्स नाईट सूट	104.29%	180	102.10	18378
	बच्चों के परिधान	18.59%	120	23.52	2822.4
	योग		780 नग		**86058**
3	**उत्पादन की अनुमानित विक्रय**				
	लेडीज सूट लाइनिंग		180	450	81000
	लेडीज सूट बिना लाइनिंग		300	200	60000
	जेंट्स नाईट सूट		180	200	36000
	बच्चों के परिधान		120	150	18000
	योग		780 नग		**195000**

11. उघम हेतु लागत - लाभ विश्लेषण (एक चक्र के लिए) :

क0स0	मद	धनराशि (रू)
1	**पूंजीगत व्यय पर 10 % वार्षिक मुल्य ह्रास (अ)**	167
2	**आवर्ती व्यय (30 दिन)**	
2.1	किराया	1000
2.2	मजदूरी	77100
2.3	सिलाई धागा, वटन, जिप, हुक, इत्यादि	7800
2.4	अन्य खर्चे (बिजली, स्टेशनरी इत्यादि)	2000
2.5	परिवहन	1000
2.6	सूट लाइनिंग	18000
2.7	पैकिंग (लिफाफे, बेग, अखबार)	2000
	योग	**108900**
3	कुल उत्पादन (नं0 में)	**780 नं0/ माह**
4	उत्पादन की विक्री मूल्य प्रतिमाह	**195000**
5	उत्पादन की सिलाई से आय (नं0)	**195000**
6	कुल लाभ = 195000 - (167 + 77100)	117733
7	उत्पाद (सूट) की सिलाई से सकल लाभ = कुल लाभ + मजदूरी एवं किराया = 117733 + 77100 + 1000	195833
8	एक चक्र के उपरान्त लाभ के रूप में सदस्यों के मध्य वितरण हेतु उपलब्ध धनराशी = उत्पाद की विक्री से आय - (मूलधन व ब्याज वापसी + दुसरे चक्र हेतु आवश्यक आवर्ती व्यय - मजदूरी) = 195000 - (2500 + 108900 - 77100)	160700

- यह धनराशी मजदूरी व किराये की धनराशी के अतिरिक्त है। शुध लाभ प्रति सदस्य का वितरण सदस्यों के मध्य सहमत अनुपात के आधार पर किया जाएगा।
- बैंक ऋण की दर में से 5% ब्याज परियोजना द्वारा सीधे बैंक के खाते में जमा किया जाएगा । शेष व्याज समूह द्वारा अदा किया जाएगा।

12. धन की आवश्यकता

समूह की वित्तीय आवश्यकता :

क्र0स0	मद	धनराशी (रु)
1	पूंजीगत व्यय	20000
2	आवर्ती व्यय	31800
3	अन्य व्यय	-
	योग	**51800**

नोट: उपरोक्त पूंजीगत व्यय का लाभार्थी अंश 10000 रुपए समूह के सदस्य नकदी रकम के रूप में स्वयं अदा करेंगे। आवर्ती व्यय का 31800 रुपए में से 6500 रुपए बचत से व्यय करेंगे । शेष आवर्ती व्यय की धन राशी 25300 रुपए बैंक से ऋण लेंगे।

13. समूह के वित्तीय संसाधन :

क्र0स0	**संसाधन का विवरण**	**धनराशी (रु)**
1	परियोजना द्वारा सहायता कोष की धनराशी (50% पूंजीगत व्यय)	10000
2	लाभार्थी अंश (50% पूंजीगत व्यय)	10000
3	समूह की आंतरिक बचत	6500
4	बैंक से ऋण	25300
	योग	**51800**

नोट : परियोजना द्वारा 100000 रुपए की धनराशि (रेवोल्विंग फण्ड) के रूप में अतिरिक्त दी जायेगी।

14. सम विच्छेदन बिन्दू (ब्रेक इविन प्वाइन्ट) की गणना

ब्रेक इवन पॉइंट = पूंजीगत व्यय / विक्रय मूल्य -आवर्ती व्यय

= 20000 / **195000** - 108900
= 20000 / 86100
= 0.232 माह = 0.232 x 30 = 7 दिन

उपरोक्त अनुपात में 780 नग सिलाई करके देने पर "ब्रेक इवन पॉइंट" 7 दिनों में प्राप्त होगा! दुसरे शब्दों में इस गतिविधि में लगी गयी धनराशी 7 दिनों में प्राप्त हो जाएगा।

15. ऋण वापसी का किश्तवार नियोजन :

क0 स0	माह	ऋण वापसी						संचय ऋण वापसी	अवशेष ऋण		
		मुलधन	**कुल** ब्याज	**परियोजना** द्वारा **5 % ब्याज देय**	**समूह** द्वारा **शेष ब्याज 2% देय**	**समूह** द्वारा **प्रति माह देय किश्त**	कुल		मुलधन	ब्याज	कुल
1	महीना –1								25300	148	25448
2	महीना –2	2352	148	105	43	2500	2500	2500	22948	134	23081
3	महीना –3	2366	134	96	38	2500	2500	5000	20581	120	20702
4	महीना –4	2380	120	86	34	2500	2500	7500	18202	106	18308
5	महीना –5	2394	106	76	30	2500	2500	10000	15808	92	15900
6	महीना –6	2408	92	66	26	2500	2500	12500	13400	78	13478
7	महीना –7	2422	78	56	22	2500	2500	15000	10978	64	11042
8	महीना –8	2436	64	46	18	2500	2500	17500	8542	50	8592
9	महीना –9	2450	50	36	14	2500	2500	20000	6092	36	6127
10	महीना –10	2464	36	25	11	2500	2500	22500	3627	21	3649
11	महीना –11	2479	21	15	6	2500	2500	25000	1149	7	1155
12	महीना –12	1149	7	5	2	1155	1155	1155	0	0	0
	योग	**25300**	**855**	**611**	**244**	**26155**	**26155**	**138655**	**0**	**0**	**0**

- 7% वार्षिक ब्याज की गणना प्रतिमाह घटते हुए मूलधन के आधार पर की गई है।
- समायोजन के कारण अंतिम ई.एम.आई. नियमित ई.एम.आई. से कम हो सकती है।
- इसके अतिरिक्त परियोजना द्वारा ब्याज को अग्रिम एक किश्त में अदा करने पर अंतिम किश्त घट जाएगी | अंतिम किश्त को ध्यान से बैंक खाते को चेक करके दी जानी आवश्यक है |

.

टिप्पणी/ गणना

समूह द्वारा प्रथम माह में लेडी सूट लाइनिंग, बिना लाइनिंग, जेंट्स नाईट सूट और किड्स ड्रेसज की सिलाई करके तैयार किये जायेंगे तथा इनके सिलाई करने पर समूह को मजदूरी के रूप में 77100 रुपए तथा लाभांश से 83558 रूपए की कुल 160700 रूपए की अतिरिक्त आय होगी। प्रति सदस्य ओसत 04 घंटे प्रतिदिन कार्य करने पर एक माह में प्रतेक सदस्य को 10713 रूपए की अतिरिक्त आमदनी होगी । इसके अतिरिक्त परियोजना द्वारा वर्षभर 5% दर से ब्याज को वहन किया जाएगा। उसकी 611 रुपए की बचत होगी।

स्वयं सहायता समूह के नियमों की सूचि

1. समूह का काम : **सिलाई व कटाई**
2. समूह का पता : **गाँव खोखन, तहसील व डाकघर भुंतर, जिला कुल्लू, हिमाचल प्रदेश !**
3. समूह के कुलसदस्यः **15**
4. समूह की पहली बैठक की तिथि ;12-08-2020 .
5. समूह में हर 100 रूपए पर 2 रूपए ब्याज होगा
6. समूह की मासिक बैठक हर माह की 05. तारिक को होगी
7. समूह के सभी सदस्य हर माह की बचत की गई राशि को समूह में जमा करेगें
8. स्वय सहायता समूह की बैठक में सभी सदस्य को शामिल होना पड़ेगा
9. स्वय सहायता समूह का खाता **काँगड़ा सेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक** भुन्तर शाखा में खोला जाएगा खाता संख्या नंबर **50072178034** है!
10. समूह की बैठक में गेर हाज़िर रहने के लिए प्रधान व सचिव को उचित कार्य बता कर अनुमति लेनी होगी
11. समूह में जो बचत की राशी जमा नहीं करवाते या 3 बेठकों तक समूह से गेर हाज़िर रहते है तो उस व्यक्ति को समूह से निकाल दिया जाऐगा
12. समूह में जो व्यक्ति कारण बताए वगेर गेर हाज़िर रहता है तो अगली बैठक उस व्यक्ति के घर में होगी जिसका खर्च उस व्यक्ति को खुद करना होगा अगर दो सदस्य होगें तो खर्च मिल कर देना होगा
13. स्वय सहायता समूह के प्रधान व सचिव सर्व सहमति से चुने जाऐगें
14. प्रधान व सचिव बैंक से लेन देन कर सकते है यह पद एक वर्ष तक मान्य होगा
15. प्रधान, सचिव या सदस्य समूह के विरूद्व कोई काम नही करेगा समूह की रकम का सदा सदुपयोग करेगें
16. अगर सदस्य किसी कारणवश समूह को छोड़ना चाहता है अगर इस व्यक्ति ने ऋण लिया है तो समूह को वापिस करना होगा तभी समूह को छोड़ समता है अन्यथा नही
17. ऋण का उदेश्य रकम की चुकोती का समय ऋण की किश्त और ब्याज की दर बैठक में तय की जाएगी
18. आपातकालीन स्थिति के लिए प्रधान व सचिव के पास कम से कम 1000 रूपये की राशी होनी चाहिए
19. स्वय सहायता समूह के रजिस्टर को सभी सदस्यों के सामने पढ़ा व लिखा जाना चाहिए
20. बड़ें ऋण लेने वालों को एक सप्ताह पहले की सूचना देनी होगी
21. ऋण जरूरत के समय सभी सदस्यों को मिलना चाहिए
22. अगर सदस्य बिना कारण से समूह को छोड़ना चाहता है तो उस सदस्य की जमा रही समूह में बांटी जाएगी
23. समूह को अपनी मासिक रिपोर्ट प्रति माह तकनीकी क्षेत्रीय इकाई (Field Technical Unit) के कार्यालय में देनी होगी !

समूह का सहमती पत्र

जोगणी माता

आज दिनाकं 18/03/2021 को '~~माँ नैना~~' स्वयं सहायता समूह की बैठक हुई । बैठक प्रधान श्रीमती महेश्वरी की अध्यक्षता में हुई जिसमे समूह के सदस्यों ने सर्व सहमती से निर्णय लिया की आय बढाने के लिए लेडी सूट लाइनिंग, बिना लाइनिंग, जेंट्स सूट, किड्स ड्रेसज सिलाई का कार्य करने के लिए **हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तन्त्र प्रबंधन और आजीविका सुधार परियोजना** (जाईका) से जुड़ने की सहमती प्रदान करते है ।

महेश्वरी Madhu

प्रधान कोषाध्यक्ष सचिव
जोगणी माता स्वयं सहायता समूह,
खोखन जिला कुल्लू (हि.प्र.)

समूह के सचिव के हस्ताक्षर समूह के प्रधान के हस्ताक्षर

Recomended for approval

Range Forest Officer
Forest Range Bhunter

Approved

Deputy Conservator of Forest,
Parvati Forest Division, Shamsh

सामान रुची समूह के प्रत्येक सदस्य के फोटोग्राफ

श्रीमती महेश्वरी प्रधान	श्रीमती मधुवाला सचिव	श्रीमती चेतना ठाकुर कोषाध्यक्ष	श्रीमती निर्मला देवी सदस्य
श्रीमती मीरा देवी सदस्य	श्रीमती तारा देवी सदस्य	श्रीमती ज्ञानी देवी सदस्य	श्रीमती पुष्प लता सदस्य
श्रीमती निर्मला देवी सदस्य	श्रीमती वीना कुमारी सदस्य	श्रीमती शांता कुमारी सदस्य	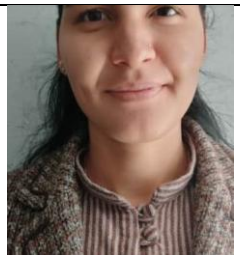 श्रीमती यमुना सदस्य
श्रीमती सोनिया सदस्य	श्रीमती कृष्णा देवी सदस्य	श्रीमती आकृति सदस्य	